सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 11 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 213, पृष्ठः 8+4

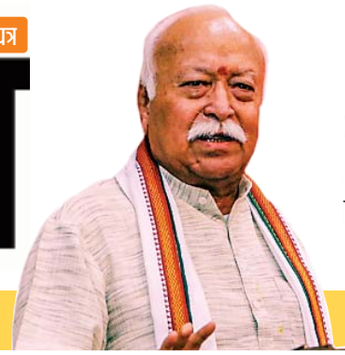

'स्वास्थ्य और शिक्षा आम लोगों की पहुंच से बाहर'

इनसाइड अखिलेश दुबे और लवी मिश्रा पर बरस रहे मुकदमे... » Pg 02

» Pg 12

बीजेपी नेता के आह्वान पर मकबरे में घुसी भीड़

मंदिर के दावे पर दो पक्ष आमने-सामने, पुलिस अलर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में एक पुराने मकबरे को लेकर बवाल मच गया। यहां सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष के आह्वान पर बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने हंगामा कर दिया। इस मकबरे को पुराना हिंदू मंदिर बताते हुए पूजा पाठ किए जाने की तैयारी पर पुलिस फोर्स अलर्ट है। कई लोगों ने मकबरे में घुसकर तोड़फोड़ करने की कोशिश भी की। दो पक्षों के लोगों के आमने-सामने आने से स्थिति गंभीर हो गई है।

बीजेपी जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने आबूनगर रेडइया स्थित मकबरे में पहुंचकर लोगों से पूजा और आरती करने की अपील की थी। हाल ही में मकबरा स्थल को ठाकुरद्वारा मंदिर बता उसके सुंदरीकरण, नवीनीकरण और विस्तारीकरण के लिए मठ मंदिर संरक्षण समिति ने डीएम को ज्ञापन दिया था। ज्ञापन देने वालों में बड़ी संख्या में भाजपा और हिंदूवादी नेता शामिल हैं।

हिंदू संगठन की चेतावनी के बाद से जिला प्रशासन ने मकबरे को बल्लियों के सहारे बैरिकेडिंग की हुई है।

यहां भाजपा, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य संगठनों के सैकड़ों लोग पहुंच गए। पुलिस ने सबको रोकन की कोशिश की लेकिन कई लोग हंगामा करते हुए मकबरे में चले गए तोड़फोड़ की कोशिश के साथ ही भगवा झंडा फहराने की कोशिश की। माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

अभिलेख का हवाला देकर प्राचीन मकबरा बता रहे

वहीं मुस्लिम पक्ष अभिलेख का हवाला देते हुए इसे प्राचीन मकबरा करार दे रहा है। राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल के राष्ट्रीय महासचिव तलहा आमिर ने डीएम के नाम एक पत्र लिखकर कहा कि जिस स्थल को समिति मंदिर बता रही है, वह अभिलेखों में मकबरा मंगी के तौर पर दर्ज है। इसके आधिकारिक मुतवल्ली के तौर पर मोहम्मद अनीश का नाम दर्ज है।

ऑस्ट्रेलिया भी फलस्तीन को मान्यता देगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया भी फलस्तीन को मान्यता देगा। अल्बानीज ने सोमवार को ऐसे संकेत दिए कि वे फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के साथ मिलकर फलस्तीन को अलग देश की मान्यता दे सकते हैं। दरअसल गाजा में जारी भुखमरी और बड़ी संख्या में हो रही लोगों की मौतों के खिलाफ दुनियाभर में आवाज उठ रही है। ऑस्ट्रेलिया में भी गाजा में जारी मानवीय संकट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उनकी कैबिनेट बैठक में ही फलस्तीन को अलग देश का दर्जा देने पर फैसला होगा।

घोटाला

बैंक नहीं करेगा पेमेंट, चेक में ओवरराइटिंग होना बताया जा रहा कारण

स्वामी प्रसाद मौर्य को थप्पड़ मारने वाले को 11 लाख रुपये का चेक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रायबरेली। यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति को 11 लाख रुपये का चेक दिया गया है. साथ ही जूता मारने वाले को 21 लाख देने का ऐलान किया गया है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य को बीते दिनों रायबरेली में एक युवक ने थप्पड़ मारा था। स्वामी प्रसाद मौर्य को थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति को इनाम दिया गया, पूर्व मंत्री को थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति को 11 लाख रुपये का चेक दिया गया है। सलोन थाना क्षेत्र के आशीष तिवारी ने यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को थप्पड़ मारने वाले युवक रोहित द्विवेदी को 11 लाख का चेक दिया है। साथ ही कहा उसे जूता मारने वालों को वह 21 लाख रुपये देंगे। आशीष तिवारी ने कहा सनातन धर्म का अपमान नहीं बर्दाश्त किया जाएगा। हालांकि चेक में ओवरराइटिंग होने से भुगतान न होने की भी बात कही जा रही है।

ये था पूरा मामला

आपको बता दें, यह मामला बीते 6 अगस्त 2025 का है। यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य रायबरेली के सिविल लाइन इलाके में पहुंचे थे। स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थकों ने उनके स्वागत का कार्यक्रम रखा था। पूर्व मंत्री जब पहुंचे तो समर्थकों ने फूलों की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इसी दौरान एक युवक पीछे से आया और उसने उनके सिर पर पीछे से मारा।बताया गया कि, इस दौरान पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थक भी वहां बड़ी संख्या में मौजूद थे, स्वामी प्रसाद के समर्थकों ने युवक को पकड़ का पिटाई कर दी। पुलिस भीड़ से युवक को छुड़ाकर अपने साथ ले गई। बताया जा रहा है ये युवक अपने साथी के साथ आया था। वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य योगी सरकार में गुंडाराज व ठाकुरों को छूट देने का आरोप लगाया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, 'उत्तर प्रदेश का जंगलराज आज सबके सिर पर चढ़कर बोल रहा है, जब पुलिस की मौजूदगी में ये सब हो रहा है तो जहां पुलिस नहीं है वहां क्या होता होगा?'

4 दिन में 5 केस: अखिलेश दुबे और लवी मिश्रा पर लगातार बरस रहे मुकदमे

» किदवई नगर थाने में कारोबारी से वसूली और धमकी का केस दर्ज

» पूछताछ के लिए पुलिस सोमवार को कोर्ट से लेगी न्यायिक रिमांड

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। अधिवक्ता अखिलेश दुबे और उसके सहयोगी लवी मिश्रा की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले चार दिनों में किदवई नगर, कल्याणपुर और कोतवाली थानाक्षेत्र में इनके खिलाफ पांच मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। ताजा मामला किदवई नगर थाने में दर्ज हुआ है, जिसमें स्वरूप नगर के एक होटल कारोबारी से 2.5 करोड़ रुपये वसूली का आरोप है। कारोबारी का आरोप है कि वर्ष 2021 में अखिलेश दुबे ने उन्हें बार-बार फोन कर साकेत नगर स्थित अपने कार्यालय बुलाया और वहां पर पैसे की मांग करते हुए धमकियां दीं। पहले तो उनसे थोड़ी-थोड़ी रकम ली जाती रही, लेकिन धीरे-धीरे मांग बढ़ती गई।

जब कारोबारी ने पैसे देने से मना किया, तो आरोपित ने अपने गैंग के जरिए 26 मई 2022 को एक महिला के माध्यम से उनके खिलाफ नौबस्ता थाने में सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद कारोबारी को समझ आ गया कि यह एक सुनियोजित साजिश है, जिसका उद्देश्य केवल उनसे मोटी रकम वसूलना था।

फर्जी मुकदमों से वसूली, कानपुर पुलिस ने बढ़ाया दबाव

कारोबारी का कहना है कि झूठे मुकदमे की आड़ में अखिलेश दुबे ने उनसे पांच करोड़ रुपये की मांग की। काफी बातचीत के बाद यह सौदा 2.5 करोड़ रुपये में तय हुआ, जो उन्हें किस्तों में देना पड़ा। इस दौरान, जब भी रकम देने में देरी हुई, अखिलेश और उसका सहयोगी लवी मिश्रा उनके पास पहुंचकर दबाव बनाते और मारपीट तक कर देते थे। यहां तक कि धमकी दी जाती थी कि अगर समय पर पैसे नहीं मिले तो और भी गंभीर आरोप लगाकर जेल भिजवा देंगे। कारोबारी का कहना है कि अखिलेश के खिलाफ

एसआईटी की जांच शुरू होने की जानकारी मिलने के बाद ही उन्होंने पुलिस में शिकायत की, जिसके आधार पर यह मामला दर्ज हुआ। किदवई नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम के अनुसार, पुलिस सोमवार को कोर्ट में अर्जी देकर अखिलेश की न्यायिक रिमांड लेगी, ताकि जेल में उसके बयान दर्ज कर आगे की जांच की जा सके। पुलिस का मानना है कि रिमांड पर आने के बाद इस गैंग से जुड़े और नाम सामने आ सकते हैं, जिससे बड़े पैमाने पर वसूली रैकेट का पर्दाफाश होगा।

कानपुर में कभी चलती थी ट्राम, 26 साल तक सरपट दौड़ी पटरी पर

» 1907 से 1933 तक घंटाघर से सरसैया घाट तक थी सेवा, मुर्गा मार्केट में था यार्ड

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आज सड़कों पर दौड़ती कारें, बसें और ई-रिक्शा देखने को मिलते हैं, लेकिन एक समय था जब कानपुर की पहचान ट्राम सेवा से होती थी। जून 1907 में शुरू हुई यह सेवा 16 मई 1933 तक पूरे 26 साल तक शहरवासियों के सफर का अहम हिस्सा रही।वरिष्ठ इतिहासकार मनोज कपूर के अनुसार, ट्राम का डबल ट्रैक शहर के पुराने रेलवे स्टेशन (वर्तमान जीटी रोड) से सरसैया घाट तक बिछा था। रूट में घंटाघर, हालसी रोड, बादशाही नाका, नई सड़क, हॉस्पिटल रोड, कोतवाली और बड़ा चौराहा शामिल थे।

नई सड़क के आगे बीपी श्रीवास्तव मार्केट, जिसे लोग मुर्गा मार्केट के नाम से जानते हैं, में ट्राम के रखरखाव के लिए एक यार्ड भी बना हुआ था।

उस दौर में यह ट्राम सेवा न सिर्फ शहर की शान थी, बल्कि आम लोगों के लिए सस्ता और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन का जरिया भी। बढ़ते सड़क यातायात और आर्थिक घाटे के कारण 1933 में इस सेवा को बंद कर दिया गया, लेकिन इसकी यादें आज भी शहर के बुजुर्गों की स्मृतियों में जिंदा हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तस्वीर अपलोड कर जीतें पुरस्कार

» 16 अगस्त तक करें आवेदन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कानपुर नगर देशभक्ति की रौशनी से जगमगाएगा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों और इमारतों को तिरंगा लाइटों और देशभक्ति से जुड़े सजावटी तत्वों से सुसज्जित करें।

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि इस अनूठी पहल का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाना और पूरे शहर को तिरंगे की आभा से आलोकित करना है।

प्रतिभागियों को अपनी सजावट की साफ-सुथरी तस्वीर या वीडियो लेकर अभियान की वेबसाइट www.harghartirangakanpur.com पर अपलोड करनी होगी। आवेदन के साथ नाम, मोबाइल नंबर, पता, कोई सरकारी पहचान पत्र/कर्मचारी आईडी और फोटो या वीडियो अपलोड करना अनिवार्य है।

एडीएम सिटी ने बताया कि सबसे सुंदर तीन सजावटों को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2025 है। उन्होंने कहा कि यह केवल सजावट का नहीं, बल्कि अपने देश के प्रति प्रेम और गर्व को जगमगाती रौशनी में बदलने का अवसर है।

पड़ताल

(क्राइम-इंवेस्टिगेशन पैकेज)

विकास दुबे-अवनीश दीक्षित से बड़ा 'मठाधीश' नेटवर्क!

- 50+ पुलिसकर्मी रडार पर - फर्जी मुकदमे दर्ज कराने का आरोप
- मिस यूपी कड़ी - रसूखदारों को फंसाने में अहम भूमिका
- शत्रु संपत्तियां कब्जे में - किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस सहित कई सरकारी जमीनों की पहचान
- नेटवर्क का आकार - विकास दुबे गैंग (30 सदस्य) और अवनीश दीक्षित गैंग (26 सदस्य) से भी बड़ा होने की आशंका
- जांच का दायरा बढ़ा - आसपास के जिलों में भी सक्रियता के संकेत

मिस यूपी की तलाश, 50 से ज्यादा खाकीधारी शक के घेरे में,सरकारी जमीनों पर कब्जे का खुलासा

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चर्चित अधिवक्ता और एबीसी न्यूज़ चैनल के रसूखदार मालिक अखिलेश दुबे की गिरफ्तारी के बाद कानपुर में सियासी गलियारों से लेकर पुलिस महकमे तक हलचल मची है। सुबह की शुरुआत होते ही शहर में सबसे बड़ा सवाल यही है–मठाधीश दुबे मामले में आगे क्या हुआ?

पुलिस जांच में अब तक 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी रडार पर आए हैं, जो आरोप है कि दुबे के इशारे पर फर्जी मुकदमे दर्ज किया करते थे। इसके साथ ही एक कथित 卐मिस यूपी卐 की तलाश जारी है, जिसके जरिए दुबे रसूखदारों को अपने जाल में फंसाता था।जांच में किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस समेत कई शत्रु संपत्तियों का भी पता चला है, जो सरकारी जमीनें होने के बावजूद दुबे ने कब्जा ली थीं। सूत्रों का कहना है कि अखिलेश दुबे का नेटवर्क, बदनाम बिकरू डॉन विकास दुबे (30 सदस्यीय गैंग) और पत्रकार अवनीश दीक्षित (26 सदस्यीय गैंग) से भी बड़ा हो सकता है।

पुलिस का मानना है कि यह गैंग न सिर्फ कानपुर बल्कि आसपास के जिलों में भी अपना प्रभाव फैलाए हुए था। आने वाले दिनों में और बड़े खुलासों की उम्मीद है।

दिव्य संत प्रेमानंद से आशीर्वाद लेने पहुंचे एएसपी अनुज चौधरी

ड्यूटी पर उठाए सवाल का मिला आध्यात्मिक जवाब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राधानाम के प्रचार-प्रसार से प्रसिद्ध संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लेने रविवार सुबह एएसपी अनुज चौधरी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संत से एक ड्यूटी से जुड़ा व्यक्तिगत सवाल पूछा, जिसका संत ने आध्यात्मिक अंदाज में जवाब दिया।

एएसपी ने बताया कि एक मामले में युवक की मौत के बाद पिता ने पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया। सबूत न उनके पास था, न ही आरोप लगाने वाले के पास, लेकिन कानूनन आरोपित को जेल भेजना पड़ा। उन्होंने सवाल किया—क्या यह मेरे लिए अपराध है? संत प्रेमानंद ने उत्तर दिया—卐यह अपराध नहीं है। भले ही किसी मामले में सबूत न मिला हो, लेकिन जिसे सजा मिल रही है, उसने जीवन में कभी न कभी अपराध किया जरूर होगा। बिना अपराध के भगवान किसी को सजा नहीं देता। भगवान की नीति तय है—अपराधी एक बार बच सकता है, लेकिन विधान उसका पीछा नहीं छोड़ता और किसी न किसी घटना में उसे सजा जरूर मिलती है। ऐसे में आपका कोई दोष नहीं, आप अपना कर्म निस्वार्थ भाव से निभा रहे हैं। संत के इस उत्तर को वहां मौजूद भक्तों और आगंतुकों ने जीवन के गहरे सत्य के रूप में सराहा।

एसडीएम का सख्त फरमान बीमार गायों को तुरंत अलग करो

कमालपुर खोदन गौशाला में बीमार व स्वस्थ मवेशियों को साथ रखने पर जताई नाराजगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शिवराजपुर, बिल्हौर (कानपुर)। कमालपुर खोदन की वृहद गौशाला का मंजर देख रविवार को निरीक्षण पर पहुंचे अफसरों का चेहरा तमतमा उठा। एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ईश्वर देवनारायण चतुर्वेदी और नायब तहसीलदार रंजीत यादव जैसे ही गौशाला में दाखिल हुए, उनका स्वागत गोबर के अंबार, सड़ांध और गंदगी ने किया।

गौशाला में कई गायें बीमारी से कराह रही थीं, मगर न इलाज का इंतज़ाम था और न ही उन्हें स्वस्थ झुंड से अलग किया गया था। कुछ के आगे तो नांद तक खाली मिली। यह हालात देखकर एसडीएम ने मौके पर ही पंचायत सचिव व कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और साफशब्दों में कहा बेजुबान जानवरों के साथ यह क्रूरता बर्दाश्त नहीं होगी, दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बीमार गायों का तत्काल इलाज शुरू कराने और पशु चिकित्सकों की तैनाती का आदेश दिया। हाल के दिनों में लगातार गोवंश मौत की शिकायतों के बाद ही यह औचक छानबीन हुई थी। अफसरों ने खड़े-खड़े सफाई, चारा और इलाज की व्यवस्था दुरुस्त करने का हुक्म दिया।

गौशाला का निरीक्षण करते एसडीएम संजीव दीक्षित।

बीमार गोवंशों को अलग कराते नायब तहसीलदार रंजीत यादव।

पांच गायों की मौत से खुली अफसरों की नींद : मालूम हो कि इसी गौशाला में हाल में पांच गोवंशों की तड़प-तड़पकर मौत हो चुकी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर एक अफसर पर गाज भी गिरी। मामला मीडिया में सुर्खियों में आने के बाद अब लगातार गौशालाओं पर निगरानी रखी जा रही है।

क्षमता से अधिक गोवंश, हालात बेकाबू : कमालपुर खोदन गौशाला में तकरीबन 361 गोवंश पंजीकृत हैं, जो उसकी क्षमता से कहीं अधिक हैं। इसी ओवरलोड ने सफाई, चारा और देखभाल की स्थिति को बिगाड़ दिया है और बीमारियों का खतरा बढ़ा दिया है।

एसडीएम ने बीमार गायें अलग कराई : निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने बीमार पाई गई गायों को तुरंत बाकी झुंड से अलग कराने और उसके लिए अलग बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया, ताकि संक्रमण फैलने से रोका जा सके।

मंदिर का दानपात्र तोड़ कर चढ़ावा ले उड़े चोर

श्रद्धालुओं में आक्रोश, पुलिस कर रही जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। कोतवाली क्षेत्र के उत्तरीपुरा कस्बे में रविवार देर रात चोरों ने प्राचीन चपलेश्वर महादेव मंदिर में धावा बोल दिया। चोर मंदिर के दानपात्र को तोड़कर उसमें रखी चढ़ावे की रकम लेकर फरार हो गए।

घटना का पता रविवार शाम उस समय चला, जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। टूटा हुआ दानपात्र देख लोगों में आक्रोश फैल गया। तुरंत सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस का कहना है कि सोमवार को पास के बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जाएंगे, ताकि चोरों का सुराग मिल सके। बताया कि घटना की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

सन्नाटे में सनसनी **चोर घुस आए हैं, जागते रहो.. जागते रहो**

चोर की खातिर शोर-हर रात की अजब कहानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। रात का लगभग एक बजा है.....लोग अपने अपने घरों में चैन से सो रहे हैं गलियों की लाइट भरपूर उजाला दे रही है.....अचानक कुत्तों का एक दल तेज आवाज में भोंकता है.....लोग जागना शुरू होते हैं.....फिर हल्ला शुरू होता है कि चोरों का एक दल इधर से गुजरा है। लोग लाठी-डंडे लेकर गलियों में दौड़ पड़ते हैं। भगदड़ मचती है, लेकिन न चोर दिखते हैं, न किसी के हाथ आते हैं...ये किसी फिल्म की कहानी नहीं, बल्कि बिल्हौर और आसपास के इलाकों की पिछले एक सप्ताह से रोज-रोज की सच्ची कहानी है। लोग दावा करते हैं,चोर आए थे। मगर अब तक ऐसा कोई शख्स सामने नहीं आया जिसने इन चोरों से आमने-सामने मुलाकात की हो, न ही कोई घर मिला जिसमें चोरों ने सेंध लगाई हो। अब सवाल उठता है। कहीं इस कहानी के पीछे अराजक तत्व तो नहीं, जो अफवाह का माहौल बनाकर खुद ही वारदात करने की फिराक में हों? वजह चाहे जो हो, सतर्क रहना हर आदमी का कर्तव्य है।

ये फोटज़े सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल, लोग एक दूसरे को भेज रहे।

एक फोटो-वीडियो हुआ वायरल : इधर बदमाश आने की अफवाहें जोरों पर हैं, और उधर सोमवार को एक फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की। स्वराज इंडिया ने पड़ताल की तो यह फोटो-वीडियो किसी अन्य जनपद का निकला। जो तस्वीर वायरल हुई उसमें तीन संदिग्ध बदमाश नजर आ रहे हैं और उस पर लिखा है....बिल्हौर में देखे गए चोर, सतर्क रहें सभी लोग। और वीडियो जिसमे चार लोग दिख रहे हैं। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने कहा अफवाह से बचें। मामले को लेकर जल्द मीटिंग होगी। अफवाह फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।

सम्पादकीय

भारत के सुरक्षात्मक उपायों से जगी उम्मीद

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा।वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए।

इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है।

कारखाने न बनें सरकारी स्कूल

सुधाकर शर्मा

यहां सवाल किसी स्कूल की छत ढहने का नहीं है, शिक्षा का सारा ढांचा ही जर्जर है। इस ढांचे की मरम्मत की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों की जगह निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की नीति को बदलना होगा, शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी।देश में बहुत कुछ हो रहा है- कहीं पुल ढह रहे हैं, कहीं सड़कें नदियां बनी हुई हैं, कहीं विमान- दुर्घटनाएं हो रही हैं, देश का उपराष्ट्रपति इस्तीफा दे रहा है, संसद में और सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकारी एजेंसियां छापेमारी में लगी हैं। अरबों-खरबों के घोटाले की बातें हो रही हैं। मतदाता सूचियों को खंगाला जा रहा है। लाखों नाम जुड़ रहे हैं, लाखों काटे जा रहे हैं।

नेतागण अपनी-अपनी पार्टी के गुणगान में लगे हैं, कार्यकर्ता समझ नहीं पा रहे किस नेता की बात सच मानें और किसकी झूठ। कहीं भ्रष्टाचार की बात हो रही है, कहीं चुनाव की... इस सारे शोर-शराबे में हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल की छत ढह जाने से सात बच्चों की जान चली गय। जो छत गिरी, दो साल पहले ही लगभग तीन लाख रुपये उसकी मरम्मत पर खर्च होने का दावा किया गया था। शिक्षा मंत्री कह रहे हैं 'मामले की उच्च स्तरीय जांच' करायेंगे। हकीकत यह है कि देश में सरकारी स्कूल और उनमें दी जा रही शिक्षा दोनों जर्जर अवस्था में हैं। होती है कभी-कभी बात इस जर्जर अवस्था के बारे में, पर अक्सर 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा ही सुनाई देती है, उसके परिणाम कहीं सरकारी फाइलों में दबे पड़े रहते हैं। इस झालावाड़-कांड की जांच के साथ भी ऐसा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।सात बच्चों के मरने और चौबीस बच्चों के घायल होने वाले इस हादसे ने देश में सरकारी शिक्षा की स्थिति पर कुछ सवाल जरूर उठायें हैं, पर उनके उत्तर खोजने की बात कोई नहीं कर रहा। कोई नहीं पूछ रहा कि उन मासूमों का क्या कसूर था, जो खिलने से पहले ही कुम्हला गये? उनके अभिभावकों के सपनों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में कोई बात नहीं हो रही।संसद में 'आपरेशन सिंदूर' के बारे में चर्चा होती रही है। महत्वपूर्ण है यह विषय इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन देश के स्कूलों और शिक्षा की स्थिति की गंभीरता और महत्व को क्यों नहीं समझा जा रहा? झालावाड़ का स्कूल अकेला नहीं है जिसकी इमारत जर्जर अवस्था में है। राजस्थान के ही नहीं देशभर के सरकारी स्कूलों की इमारतें और शिक्षा की स्थिति संसद में काम रोको प्रस्ताव की मांग कर रही है, पर कौन सुन रहा है इस मांग को?देश में नई शिक्षा नीति को लागू किया जा रहा है उसे लेकर विवाद भी उठ रहे हैं। पर यह दुर्भाग्य ही है कि प्राथमिक शिक्षा की स्थिति हमारी वरीयता में कहीं नहीं दिखाई दे रही। शिक्षा का माध्यम क्या हो, कितनी भाषाएं देश के बच्चे सीख रहे हैं जैसे कुछ सवाल यदि कहीं उठ भी रहे हैं तो वह भी अपने-अपने राजनीतिक हितों-स्वार्थों के खातिर ही। शिक्षा को लेकर जो बुनियादी चिंता दिखनी चाहिए, उसमें जो ईमानदारी झलकनी चाहिए, वह कहीं नहीं है। सवाल किसी झालावाड़ के सरकारी स्कूल की छत गिरने का नहीं है, देश के हर हिस्से में ऐसे स्कूल दिख जाएंगे जहां बच्चे दीवारें ढहने या छत गिरने के खतरे को झेलते हुए अपना भविष्य बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार आज देश में 74 हज़ार से अधिक स्कूल जर्जर अवस्था में हैं। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि देश में सरकारी स्कूल लगातार कम हो रहे हैं। अकेले मध्य प्रदेश में पिछले एक दशक में लगभग नब्बे हज़ार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। सहज ही विश्वास नहीं होता इस आंकड़े पर, पर शिक्षा को लेकर जिस तरह की अराजकता हमारे देश में पसरी है उसे देखते हुए आश्चर्य भी होना चाहिए और चिंता भी।चिंता इस बात की भी होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों के बंद होने के साथ-साथ निजी स्कूलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ अरसे में 25 हज़ार से अधिक सरकारी स्कूल बंद हुए हैं! इसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर है।

कम्बोडिया-थाईलैंड संघर्ष और सुलह के सवाल

थाईलैंड के फुमथम

डा0 जगदीप सिंह

हाल ही में प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर को लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ गयी थी। दोनों ओर जान-माल का नुकसान हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने शांति स्थापना करवाई है। मगर, मलेशिया और चीन ने कहा...

हाल ही में प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर को लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ गयी थी। दोनों ओर जान-माल का नुकसान हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने शांति स्थापना करवाई है। मगर, मलेशिया और चीन ने कहा कि उनकी पहल पर ही शांति वार्ता संपन्न हुई।

भगवान शिव किसके हैं? उनकी आराधना से जुड़ा मंदिर किसका है? इसे लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ी और कुछ समय के लिए रुक गई। ट्रम्प इस जंग के रेफरी थे। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि एशिया में दो लड़ते देशों के बीच उन्होंने शांति स्थापना की है। पहले, भारत-पाकिस्तान, फिर ईरान-इस्राइल, और अब कम्बोडिया-थाईलैंड। व्हाइट हाउस ने पूरी दुनिया को सन्देश देने की कोशिश की है कि ट्रम्प की धमकी काम कर गई। मगर, मलेशिया और चीन ने भी दावा किया है, कि उनकी पहल पर थाई-कम्बोडिया के बीच शांति वार्ता संपन्न हुई।मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया ने 'तत्काल और बिना शर्त' युद्धविराम पर सहमति जताई है। सोमवार को मलेशिया की प्रशासनिक राजधानी पुत्रजया स्थित प्रधानमंत्री अनवर के आवास पर थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने युद्धविराम वार्ता के लिए मुलाकात की थी। हुन मानेट ने ट्रम्प की 'निर्णायक' भूमिका की भी प्रशंसा की और कहा कि हमारे देश और पड़ोसी थाईलैंड के बीच 'विश्वास और भरोसे का पुनर्निर्माण' होगा। थाईलैंड के फुमथम, जिन्होंने पहले मलेशिया में वार्ता से पहले कंबोडिया की ईमानदारी पर संदेह व्यक्त किया था, ने कहा, कि थाईलैंड युद्धविराम पर सहमत हो गया है, जिसे 'दोनों पक्षों द्वारा सद्भावनापूर्वक लागू किया जाएगा।'दक्षिण-पूर्व एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के बीच एक दशक से भी ज्यादा समय से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। लड़ाई शुरू होने के चार दिन बाद, रविवार तक, मृतकों की संख्या 30 से ज्यादा हो गई, जिनमें थाईलैंड में 13 और कंबोडिया में आठ नागरिक शामिल हैं। रविवार को स्कॉटलैंड में पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमने दोनों देशों को चेतावनी दी है कि अगर शत्रुता जारी रही, तो वाशिंगटन के साथ भविष्य के व्यापार समझौते निलंबित कर दिए जाएंगे।थाईलैंड और कंबोडिया 817 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करते हैं। साल 1904 में पहली फ़्रैंको-सायामी संधि हुई और दूसरी 1907 में फ्रांसीसी तृतीय गणराज्य और सियाम (वर्तमान थाईलैंड) के बीच हुई। 15 जून, 1962 को हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अंतिम निर्णय में कहा, कि साल 1904 की फ़्रैंको-सायामी संधि के हवाले से एक संयुक्त सीमा-निर्धारण आयोग बनाया गया था, जिसके बनाए नक्शे में उस मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया था। न्यायालय को इसके भी प्रमाण मिले कि थाईलैंड ने वास्तव में उस नक्शे को स्वीकार किया था, कि प्रीह विहियर मंदिर कंबोडियाई क्षेत्र में आता है। लेकिन थाईलैंड पलट गया।

दोहरे हत्याकांड से सनसनी, किन्नर और उसके भाई की गला घोंटकर हत्या

» योगेन्द्र विहार में किन्नर काजल और उसके भाई देवा की हुई हत्या मां ने लगाया दो युवकों पर हत्या का आरोप

» दीवान के अंदर मिला किन्नर का शव, फर्श पर भाई मृत; घर में शराब की बोतल और खाना भी बरामद

मृतकों की फाइल फोटो

घटना के बाद रोते बिलखते परिजन

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत योगेन्द्र विहार(खाड़ेपुर) इलाके में हुए दोहरे हत्याकांड ने पूरे शहर को दहला दिया है। किराए के घर में रहने वाली 35 वर्षीय किन्नर काजल और उसके 12 वर्षीय गोद लिए भाई देवा की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद हत्यारे घर से जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। शव करीब चार दिन तक घर में ही पड़े रहे, जिससे उनकी हालत इतनी खराब हो गई कि पुलिसकर्मी भी देखकर सिहर उठे।

मूलरूप से मैनपुरी जिले के कृष्णानगर थाना क्षेत्र के धरमंगपुर गांव की रहने वाली गुड़िया देवी ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी काजल किन्नर थी और शहर में रहकर शादी-पार्टियों में डांस करती थी। करीब एक माह पहले वह अपने छोटे भाई देवा को गोद लेकर खाड़ेपुर योगेन्द्र विहार स्थित केला गोदाम के पास किराए के मकान में रहने लगी थी। तीन दिन पहले से काजल का फोन नहीं उठ रहा था। शक होने पर मां शनिवार रात मैनपुरी से कानपुर पहुंची। उनके पास घर की एक चाबी थी। गेट खोला तो अंदर से तेज दुर्गंध आई। कमरे में कदम रखते ही उन्होंने देखा कि फर्श पर देवा का शव पड़ा है और बेटी काजल का शव दीवान के अंदर ठूंसा गया है। उनकी चीख सुनकर आस-पड़ोस के लोग और पुलिस मौके पर पहुंची।

जेवर और नकदी गायब, चोरी के लिए की गई हत्याएं

पुलिस व फोरेंसिक टीम की जांच में घर की अलमारी खुली मिली। सोने की चूड़ियां, अन्य जेवर और नकदी गायब थी। कमरे में शराब की खुली बोतल और आधा खाया हुआ खाना भी मिला, जिससे आशंका है कि हत्यारे वारदात से पहले घर में पार्टी कर रहे थे। मृतका की मां ने पुलिस को बताया कि काजल के साथ डांस करने वाले दो युवक पिछले दिनों घर आए थे और उसी दौरान घर पर नजर भी डाली थी। मां का आरोप है कि लूट के बाद दोनों ने ही गला घोंटकर हत्या की। पुलिस के मुताबिक, मोहल्ले में लगे एक सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर कब्जे में लेकर फुटेज खंगाले जा रहे हैं। काजल के जान-पहचान में कई किन्नर और डांस पार्टियों में शामिल युवक थे। जानकारी के मुताबिक, पहले वह एक युवक के करीब थी, लेकिन हाल में उसने नए दोस्त बना लिए थे। परिवार का दावा है कि नया दोस्त उसे कुछ दिन पहले गांव भी लेकर गया था। मकान मालिक अभिमन्यु सिंह श्याम नगर में रहते हैं और यह घर काजल को साथी किन्नर देविका ने दिलवाया था। घटना की जानकारी भी सबसे पहले देविका ने ही दी। डीसीपी दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया, कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों की गला घोंटकर हत्या की गई है। शव चार दिन पुराने हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और तथ्य स्पष्ट होंगे। घर से जेवर व नकदी गायब है, जो लूट की ओर इशारा करता है।

रील बनाने की सनक में युवक की मौत, दोस्तों पर हत्या का आरोप

» ओवरब्रिज पर बस की टक्कर से हुई मौत, शव छोड़कर भागे साथी

» पुलिस ने दोनों दोस्तों को हिरासत में लिया, स्वजन बोले साजिश के तहत हत्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बिठूर थाना क्षेत्र के रामा मेडिकल कॉलेज के सामने ओवरब्रिज पर शनिवार शाम रील बनाने के दौरान हुए हादसे में 27 वर्षीय युवक विशाल उर्फ बल्लू कटियार की जान चली गई। हाईवे पर बस की टक्कर से घायल विशाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद उसके दोनों साथी शव को बाइक पर दबाकर घर ले जाने लगे, लेकिन पचोर गांव के पास ग्रामीणों ने रोक लिया। हंगामे के बीच दोनों शव वहीं छोड़कर फरार हो गए।

दोनों दोस्त हिरासत में, हत्या का आरोप

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के स्वजन ने दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों शिवा गौतम और संतोष को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक चौबेपुर राजकुमार सिंह ने बताया कि हादसा बिठूर थाना क्षेत्र में हुआ है, लेकिन मामला संवेदनशील है, इसलिए दोनों से सख्ती से पूछताछ की जा रही है गंभीरपुर निवासी अविवाहित विशाल, अपने दोनों दोस्तों के साथ मजदूरी करता था। त्योहार के दिन तीनों रील बनाने के लिए ओवरब्रिज पहुंचे थे। इसी दौरान बस की टक्कर से विशाल के सिर में गंभीर चोट लगी और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से खून के धब्बे मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले में सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

मंझावन सीएचसी परिसर पर चोरों का धावा, लाखों का सामान पार

» रक्षाबंधन पर खाली सरकारी आवासों के ताले तोड़कर नगदी-जेवर और इलेक्ट्रॉनिक सामान उड़ाया

» शातिर चोरों ने कुंडी में पत्नी लपेटकर दरवाज़े खोले, ताकि न छूटे फिंगरप्रिंट

फिंगरप्रिंट ना आए इसलिए चोरों ने कुंडी पर लपेटी पत्नी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रक्षाबंधन की रात बिधनू थानाक्षेत्र के मझावन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में बने आधा दर्जन सरकारी आवासों को चोरों ने निशाना बनाया। सभी आवासों के ताले तोड़कर चोरों ने नगदी, जेवर और इलेक्ट्रॉनिक सामान समेत लाखों रुपये का माल समेट लिया। शनिवार को स्टाफ के सभी परिवार पर्व मनाने अपने-अपने घर गए थे, जिसका फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया गया। लौटकर रविवार सुबह जब लोग पहुंचे, तो टूटी कुंडियां और बिखरा सामान देख दंग रह गए।

घटना की जानकारी मिलने पर सीएमओ मौके पर पहुंचे

घटना की जानकारी मिलने पर सीएमओ डॉ. हरिदत नेमी, जो मझावन में आयोजित फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में आए थे, तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को जल्द चोरों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। चोरों ने सीएचओ अब्दुल मन्नान के घर से ?50,000 नगद, जेवर और बिजली के उपकरण, सीएचओ अंजू व स्टाफ नर्स नीतू वर्मा के घर से 20,000 और दो लैपटॉप, जबकि पीटीबी सुपरवाइजर प्रिंस कुमार, यूनिसेफ मॉनिटर सूर्यपाल यादव और लैब टेक्नीशियन पवन के घर से करीब 1 लाख का सामान उड़ा लिया। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, चोरों ने दरवाज़ों की कुंडी पर पत्नी लपेटकर उन्हें खोला, जिससे उनके फिंगरप्रिंट न छूटें। पुलिस ने साक्ष्य जुटा लिए हैं और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया है।

शिक्षक नहीं, शोषक! महिला हेड मास्टर पर मारपीट का आरोप

मामूली बात पर भाई-बहन को बेरहमी से पीटा, अभिभावक से भी अभद्रता
छात्र के कान में गंभीर चोट, ग्रामीणों में हेडमास्टर के लिए आक्रोश

पिटाई से घायल अंश तिवारी

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र के बंसठी गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में हेड मास्टर पूनम लता की दबंगई से गांव में रोष फैल गया है।

मामूली विवाद पर उन्होंने छात्र अंश तिवारी और उसकी बहन अंशिका तिवारी को न केवल बेरहमी से पीटा, बल्कि विद्यालय से निकाल भी दिया। जानकारी के मुताबिक छुट्टी के समय एक बच्चे के धक्का देने पर हेड मास्टर पूनम लता भड़क गईं और छात्र अंश तिवारी को बुरी तरह पीट डाला। मारपीट में छात्र के कान में गंभीर चोट आई, जिससे वह दर्द से कराहता रहा।

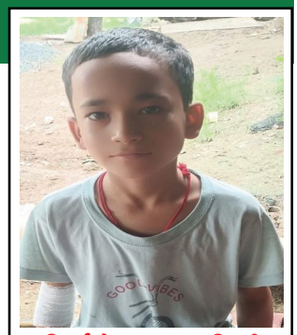

इस पर जब बहन अंशिका ने विरोध किया, तो उसे भी स्कूल से बाहर कर दिया गया। बच्चों की मां जब स्कूल पहुंचीं तो हेड मास्टर ने उनके साथ भी अभद्रता की और साफ कह दिया कि दोबारा स्कूल में नजर मत आना। ग्रामीणों का कहना है कि पूनम लता के खिलाफ पहले भी कई शिकायतें हो चुकी हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अब यह मामला पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गया है।

गुटबाजी के चलते दो जमकर मारपीट, दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज

» गांव में आए दिन बवाल और स्थानीय राजनीति के चलते खराब हो रहा माहौल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।रूरा थाना क्षेत्र के ग्राम तिगाई में 10 अगस्त की रात देशी शराब के ठेके पर दारू लेने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी मारपीट में बदल गई। घटना में श्याम सिंह (32) पुत्र बिहारी लाल यादव और आकाश (28) पुत्र मंझले शुक्ला समेत दोनों पक्षों के लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।श्याम सिंह की तहरीर पर मुकदमा अपराध संख्या 264/25 धारा 191, 191(2), 191(3), 110, 115(2), 352, 351(2), 351(3), 3(5)क्ष्हर के तहत आकाश समेत 6 लोगों पर केस दर्ज हुआ, जबकि आकाश की तहरीर पर मुकदमा अपराध संख्या 265/25 धारा 191(2), 115(2), 352, 351(2), 351(3), 3(5), 131क्ष्हर के तहत श्याम सिंह समेत 5 लोगों के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है।पुलिस के अनुसार, गांव में गुटबाजी के चलते आए दिन विवाद की घटनाएं हो रही हैं।

बिल्हौर में समाजवादी पार्टी ने मनाई वीरांगना फूलन देवी की जयंती

विनय यादव व रचना सिंह ने संघर्ष व सामाजिक न्याय पर डाला प्रकाश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर। समाजवादी पार्टी ने रविवार को वीरांगना फूलन देवी की जयंती श्रद्धा और उत्साह से मनाई। चौबेपुर में विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव ने सभा कर उनके जीवन संघर्ष और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए दिए योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि फूलन देवी सामाजिक-आर्थिक असमानताओं के खिलाफ लड़ाई की प्रतीक हैं और उनका साहस आज भी प्रेरणा देता है। वहीं ग्राम बरंडा पुरवा में पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने पीडीए पाठशाला में बच्चों को पढ़ाकर जयंती मनाई। उन्होंने कहा कि फूलन देवी ने अपमान और अन्याय के खिलाफ बीहड़ से संसद तक संघर्ष किया। साथ ही आरोप लगाया कि सरकार स्कूल बंद कर वंचित वर्ग को शिक्षा से वंचित कर रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी बच्चों को पढ़ाई का अवसर देती रहेगी। दोनों आयोजनों में पार्टी नेताओं ने फूलन देवी को सामाजिक न्याय और समानता का प्रतीक बताते हुए उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। सपा नेता शशिकांत पाल, लोकेश अवस्थी, शादाब समेत कई सपाई मौजूद रहे।

मड़ौली में चोरों का कहर

दो घरों से लाखों का माल साफ

» एक घर में नकदी-जेवरात चोरी, दूसरे में 20 हजार की नकदी पर हाथ साफ

» तीसरे घर में चोरी का प्रयास नाकाम, पुलिस व फोरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलपुर थाना क्षेत्र के मड़ौली गांव में बीती रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया। इनमें से दो घरों से लाखों के जेवरात और नकदी चोरी कर ली गई, जबकि तीसरे घर में चोरी का प्रयास नाकाम रहा।

पहली वारदात में चोर बन्नाम सिंह के घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और लगभग 15 हजार रुपये नकदी लेकर फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार, परिवार के सोने के बाद चोर कमरे से तीन बक्से छत पर ले गए, जिनमें से जेवरात निकालकर बक्से वहीं छोड़ दिए।दूसरी वारदात में चोरों ने विनोद कुमार के घर में घुसकर अलमारी से करीब 20 हजार रुपये नकदी चुरा ली। घटना के समय घर में कोई महिला मौजूद नहीं थी।

विनोद बाहर सो रहे थे जबकि उनका भाई अंदर।

तीसरे घर बालवीर के यहां भी चोर पहुंचे, लेकिन चोरी करने में सफल नहीं हो सके। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच चल रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय संगसियापुर में तिरंगा उत्सव और तीज महोत्सव की धूम

» झंडा रैली व जनजागरूकता कार्यक्रम से गूंजा विद्यालय परिसर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय संगसियापुर में हर घर तिरंग अभियान के तहत तिरंगा उत्सव और तीज महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में रंगोली, मेहंदी और राखी निर्माण जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने अपनी कला और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया।

रंगोली प्रतियोगिता में निशा ने प्रथम, भूमि ने द्वितीय और नम्रता ने तृतीय स्थान हासिल किया। मेहंदी प्रतियोगिता में अंशिका प्रथम, परी द्वितीय और अपर्णा तृतीय स्थान पर रहीं। रक्षाबंधन के अवसर पर बच्चों ने अपने हाथों से सुंदर राखियाँ तैयार कर आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विद्यालय में झंडा रैली भी निकाली गई और फायलेरिया उन्मूलन के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। प्रधानाचार्य, शिक्षकों और विशेष रूप से अध्यापिका कंचन कामिनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस आयोजन ने बच्चों में देशभक्ति, रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता की भावना को मजबूती दी।

मेडिकल कॉलेज अकबरपुर में मरीज की मौत, डीएम ने बनाई जांच टीम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मेडिकल कॉलेज अकबरपुर के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती एक गंभीर रूप से बीमार मरीज की मौत और शव के निस्तारण में लापरवाही के मामले में जिलाधिकारी कपिल सिंह ने त्वरित संज्ञान लेते हुए जांच टीम गठित कर दी है।

घटना की सूचना जिलाधिकारी को दूरभाष के माध्यम से मिली, जिसमें बताया गया कि मरीज की मृत्यु के बाद भी शव बेड पर पड़ा है और कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। यह मामला 11 अगस्त को समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुआ।

जिलाधिकारी ने इस घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि यह चिकित्सा व्यवस्था में लगे चिकित्सकों और कर्मचारियों की लापरवाही को दर्शाता है। जांच के लिए उपजिलाधिकारी/कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजकुमार पांडेय और अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सलभ मोहन को शामिल करते हुए दो सदस्यीय टीम बनाई गई है।

टीम को निर्देशित किया गया है कि वे पीड़ित पक्ष के बयान दर्ज करें, साथ ही यदि कोई अन्य व्यक्ति बयान देना चाहता है तो उसका भी बयान लें। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों व कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यशैली की जांच कर 24 घंटे में स्पष्ट आख्या उपलब्ध कराएं। साथ ही, प्रकरण से जुड़े किसी भी सुझाव को रिपोर्ट में शामिल करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अकोढ़ी के मेले में आयोजित हुआ दंगल चल पहलवानों के दांव

» कजरी मेले में महिलाओं और बच्चों ने की जमकर खरीदारी

» दंगल में आठ मुकाबले, विजेताओं को मिला नकद इनाम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। विकास खंड मलासा के अकोढ़ी गांव स्थित पातालेश्वर मंदिर में इस वर्ष भी तीन दिवसीय विशाल दंगल और कजरी मेले का भव्य आयोजन हुआ। रविवार शाम चार बजे से मेले की शुरुआत हुई, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने कपड़े, खिलौने और रोजमर्रा का सामान जमकर खरीदा। गांव और आसपास के इलाकों से आए हजारों लोग मेले और दंगल का लुत्फ उठाते दिखे। सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा।

दंगल का उद्घाटन पातालेश्वर मंदिर के महंत अनमोल दास त्यागी ने किया। रूरा, अंगुरी, असलापुर, अकबरपुर, बम्हौती और हसनापुर समेत पांच से अधिक गांवों के पहलवानों ने अपने दांव-पेच दिखाए। पहली कुश्ती में अंगुरी के शानू ने रूरा के विजय को पटकी देकर हराया।

दूसरी में असलापुर के साहिल ने अकबरपुर के बब्लू को मात दी। तीसरी कुश्ती रूरा के राज के नाम रही, जबकि चौथी में हसनापुर के जावेद ने जीत दर्ज की। देर शाम तक कुल आठ कुश्तियां हुईं और विजेताओं को नकद इनाम प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान मोहम्मद नफीस, रेफरी शब्बीर खान, फीरोज खान और आयोजन टीम के अश्वनी त्रिवेदी, कौशल पाल सिंह, सेगर, ब्रजेश, बीरेंद्र शंखवार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वीर सेन यादव पुनः बने जनता औद्योगिक इंटर कॉलेज के प्रबंधक

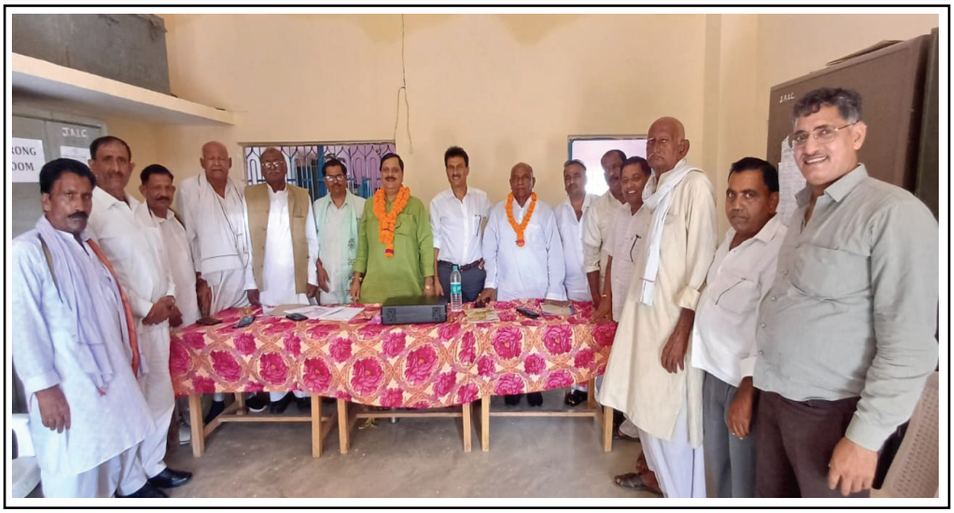

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनता औद्योगिक इंटर कॉलेज, शेरपुर गुढ़ा की प्रबंध समिति के चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रांतीय नेता और जन-जन में लोकप्रिय वीर सेन यादव को पुनः सर्वसम्मति से प्रबंधक चुना गया। चुनाव जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक देशराज दिवाकर की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ।

श्री यादव पिछले 35 वर्षों से लगातार संस्था के प्रबंधक पद पर कार्यरत हैं। बारह सदस्यीय प्रबंध समिति में अध्यक्ष पद पर ठाकुर प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष शिव नारायण सिंह आचार्य, सह-प्रबंधक श्रीमती प्रतिभा सिंह, कोषाध्यक्ष गौरी शंकर यादव चुने गए।

सदस्य पद पर अरुण कुमार, अरविन्द कुमार सचान, सोने लाल, लोकतंत्र सेनानी धर्म सिंह यादव (प्रधान, तोडरपुर), अमर नाथ दुबे, लाखन सिंह और जय नारायण सिंह फौजी निर्वाचित हुए। साधारण सदस्य के रूप में राज कुमार यादव और रामस्वरूप यादव चुने गए। सभी पदों और सदस्यों का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ।

हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर लें हिस्सा, तिरंगे संग सेल्फी करें अपलोड

» जिलाधिकारी कपिल सिंह ने की जनपदवासियों से अपील

» www.harghartiranga.com पर अपलोड करें देशभक्ति से भरी तस्वीर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने जनपदवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित यह अभियान देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है।

जिलाधिकारी ने नागरिकों से आग्रह किया कि अपने घरों, प्रतिष्ठानों और कार्यालयों पर तिरंगा फहराएं, तिरंगे के साथ सेल्फी लें और इसे अधिक से अधिक संख्या में www.harghartiranga.com पर अपलोड करें, ताकि जनपद का नाम प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हो।

उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल स्वतंत्रता संग्राम की अमर गाथा का प्रतीक ही नहीं, बल्कि यह देश की एकता,

अखंडता और संप्रभुता का परिचायक भी है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस अभियान को उत्साह से सफल बनाएं और आसपास के लोगों को भी इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करें, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह और भी खास बन सके।

चुनाव में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों का बढ़ाया गया मानदेय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। चुनावों के दौरान ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग ने तोहफा दिया है। आयोग ने इन सभी कर्मचारियों को चुनाव के दौरान मिलने वाले मानदेय को बढ़ा दिया है।

भारतीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव के दौरान ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने का फैसला किया है। आयोग की तरफ से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक चुनावी प्रक्रिया में पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। आयोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि केंद्र से लेकर स्थानीय प्राधिकरणों तक के चुनाव में अधिकारी और कर्मचारी समेत तमाम चुनावी मशीनरी काम करती है। ऐसे में इन्हें इनके काम का बेहतर मुआवजा मिले इसके लिए मानदेय बढ़ाया गया है।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक पीठासीन अधिकारी एवं मतगणना पर्यवेक्षक के पहले 350 रुपए प्रतिदिन मिलते थे अब नए मानदेय के हिसाब से इन्हें 500 रुपए प्रतिदिन या 2000 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। वहीं मतदान

» निर्वाचन आयोग ने कार्मिकों को दिया तोहफा

अधिकारी को पहले 250 रुपए प्रतिदिन दिया जाता था। नए मानदेय भुगतान के तहत इन्हें 400 रुपए प्रतिदिन या 1600 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। इसके अलावा मतगणना सहायक को पहले 250 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से दिए जाते थे। नए नियमों के हिसाब से इस पद पर बैठे व्यक्ति को 450 रुपए प्रतिदिन या 1350 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। इसके अलावा विभिन्न कामों के लिए चुनावों में मदद करने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पहले जहां 200 रुपए प्रतिदिन दिया जाता था। उनका मानदेय बढ़ाकर अब 350 रुपए प्रतिदिन या फिर 1400 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। इसके अलावा कॉल सेंटर या कंट्रोल रूम के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी को 200 रुपए प्रतिदिन या फिर 1000 रुपए एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। वीडियो सर्विलांस टीम, वीडियो व्यूइंग टीम, लेखा दल, कंट्रोल रूम, कॉल सेंटर, मीडिया सर्टिफिकेशन, निगरानी समिति, उड़नदस्ते जैसे कामों में लगे कर्मचारियों को उनके पद के हिसाब से मानदेय मिलेगा। इन कार्यों को कर रहे श्रेणी–1 और 2 के कर्मचारी जिनको पहले 1200 रुपए दिए जाते थे उनको अब एक मुश्त 3000 रुपए दिए जाएंगे। वहीं दूसरी ओर श्रेणी–3 के कर्मचारी जिनको पहले 1000 रुपए दिए जाते थे। उनको 2000 रुपए दिए जाएंगे।

भोजन और जलपान भत्ता–

चुनाव आयोग ने पुलिस, होमगार्ड, वन रक्षकों, पूर्व सैनिकों और स्वयंसेवकों सहित चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के लिए दैनिक भोजन और जलपान भत्ते में भी वृद्धि की है। यह दर तीन गुना से भी ज्यादा बढ़कर 150 रुपये प्रतिदिन से 500 रुपये प्रतिदिन हो गई है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी (डिप्टी डीईओ) जो पहले मानदेय के हकदार नहीं थे अब एक महीने के मूल वेतन से कम नहीं प्राप्त करेंगे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के कमांडेंट और चिकित्सा अधिकारियों जैसे राजपत्रित अधिकारियों को अब 15 दिन तक की ड्यूटी के लिए 4000 रुपये और उसके बाद प्रति सप्ताह 2000 रुपये मिलेंगे। अधीनस्थ सीएपीएफ अधिकारियों का वेतन 15 दिन तक की ड्यूटी के लिए 3000 रुपये और उसके बाद प्रति सप्ताह 1500 रुपये कर दिया गया है। सीएपीएफ के अन्य रैंक के कर्मियों को अब 15 दिन तक की ड्यूटी के लिए 2500 रुपये और उसके बाद प्रति सप्ताह 1250 रुपये मिलेंगे। सहायक व्यय पर्यवेक्षकों, सेक्टर अधिकारियों और सेक्टर पुलिस अधिकारियों को पूर्णकालिक ड्यूटी के लिए 7500 रुपये से बढ़ाकर 10000 रुपये मिलेंगे।

अब व्हाट्सएप पर आएगा वाहन चालान

» 14 लाख बकाया धारकों को नोटिस, परिवहन विभाग ने शुरू की नई प्रक्रिया, 790 करोड़ की वसूली का लक्ष्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने वाहन चालानों की वसूली के लिए डिजिटल तरीका अपनाते हुए नई पहल शुरू की है। अब बकाया चालान सीधे वाहन मालिकों के व्हाट्सएप पर भेजे जाएंगे। इसके लिए विभाग चैटबॉट का इस्तेमाल करेगा, जिसके माध्यम से करीब 14 लाख चालान धारकों को नोटिस भेजे जाएंगे।विभाग के मुताबिक, इन लंबित चालानों में करीब ?790 करोड़ का जुर्माना बकाया है। वाहन मालिक व्हाट्सएप लिंक के जरिए सीधे ऑनलाइन भुगतान कर सकेंगे, जिससे वसूली प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी।अधिकारियों का कहना है कि इस प्रणाली से न सिर्फ समय और कागज की बचत होगी, बल्कि चालान जानकारी छिपाने या नजरअंदाज करने की गुंजाइश भी खत्म होगी। विभाग का लक्ष्य है कि अगले कुछ महीनों में बकाया वसूली में रिकॉर्ड सुधार लाया जाए।

पंचायत चुनाव में उतरेगा रालोद

» सितंबर से मंडलीय सम्मेलन शुरू

» प्रदेश अध्यक्ष आरलएलडी डॉ रामाशीष राय ने कहा पारदर्शी पैनल प्रणाली से होंगे उम्मीदवार चयन, पश्चिमी यूपी से होगी शुरुआत

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने पंचायत चुनावों के लिए अपनी तैयारियों का बिगुल फूंक दिया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की बैठक में तय किया गया कि सितंबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मंडलों से मंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरुआत होगी, जो क्रमवार पूरे प्रदेश में आयोजित होंगे।बैठक में निर्णय लिया गया कि उम्मीदवारों के चयन के लिए पारदर्शी और सुदृढ़ पैनल प्रणाली अपनाई जाएगी। इसके तहत जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि वे अभी से योग्य, सक्रिय और जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाले नामों का पैनल तैयार करें।

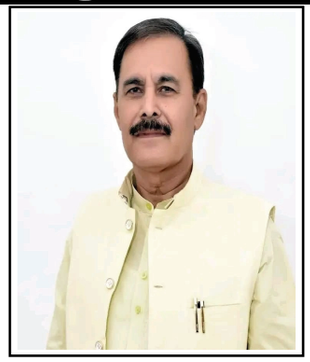

डॉ रामाशीष राय, प्रदेश अध्यक्ष आरलएलडी

डॉ. राय ने कहा कि पंचायत चुनाव लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का सबसे सशक्त माध्यम है और रालोद इन चुनावों को सशक्त रणनीति के साथ लड़ेगा। उद्देश्य केवल जीत हासिल करना नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर ईमानदार और लोकप्रिय नेतृत्व को स्थापित करना है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि इन सम्मेलनों में पार्टी की नीतियां, योजनाएं और चुनावी रणनीति व्यापक रूप से जनता के सामने रखी जाएंगी। इससे कार्यकर्ताओं में उत्साह और संगठनात्मक एकता को नई मजबूती मिलेगी।

रालोद का संकल्प है कि पंचायत चुनावों के माध्यम से किसानों, मजदूरों, युवाओं और महिलाओं की आवाज बुलंद कर प्रदेश में विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा।

आईपीएस के लिए यह हार भी जीत से कम नहीं थी..

आईपीएस पिता ने जिस सिपाही को किया बर्खास्त,वकील बेटी ने कोर्ट से केस लड़कर कराया बहाल...चर्चा में इलाहाबाद हाईकोर्ट का ये मामला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

प्रयागराज। यूपी पुलिस और इलाहाबाद हाईकोर्ट से जुड़ा एक रोचक मामला सामने आया है.जहां आईपीएस पिता ने एक सिपाही को विभागीय कार्रवाई करते हुए बर्खास्त करने का आदेश दिया था.हालांकि सिपाही की तरफ से अदालत में केस लड़ रही ।

आईपीएस की वकील बेटी ने सिपाही को कोर्ट के आदेश से बहाल कराया. सुनवाई के दौरान वकील बेटी के सामने कोर्ट में पिता भी मौजूद थे.कोर्ट के आदेश से बेटी ने पिता को हराया

,लेकिन यह क्षण किसी भी पिता के लिए जीत से कम नहीं था.

आप सभी को बताते चले कि यूपी पुलिस के बहुचर्चित आईपीएस अफसर एवं बरेली रेंज के तत्कालीन आईजी रहे डॉ राकेश कुमार सिंह और उनकी वकील बेटी अनुरा सिंह से जुड़ा हुआ है.वर्तमान

में राकेश सिंह यूपी पुलिस से रिटायर हो चुके हैं.बात जनवरी 2023 में त्रिवेणी एक्सप्रेस से जा रही एक 17 साल की किशोरी से जुड़ा था. जिसने सिपाही तौफीक अहमद पर छेड़खानी का आरोप लगाया था. पीड़िता के पिता की तरफ से पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया गया. लोअर कोर्ट ने केस की सुनवाई के दौरान सिपाही तौफीक अहमद को बरी कर दिया.

फ्लाईओवर नहीं, 'भ्रष्टाचार का स्मारक': सपा सांसद अवधेश प्रसाद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के सहादतगंज में नया-नया बना फ्लाईओवर और सड़क, सरकारी कागज़ों में 'मॉडल प्रोजेक्ट' और जनता की आंखों में 'विकास की मिसाल'। लेकिन हकीकत में ये डेढ़ सौ करोड़ का अजूबा सिर्फ छह महीने में ही दम तोड़ बैठा।सड़क धंस गई, रेलिंग क्रैक हो गई और जनता का भरोसा तो कब का टूटा पड़ा है।

» 150 करोड़ की विकास परियोजना 6 महीने में ही बैठ गई

» रेलिंग भी शर्म से दरक गई बाकी अफसर अभी भी कुर्सी पर जमे है

मानो रेलिंग कह रही हो मालिक! मटेरियल बचाते-बचाते हमें इतना कमजोर बना दिया कि अब हवा भी झेलना मुश्किल है।ज़!फ़हार्दिक कंस्ट्रक्शन ने सड़क और फ्लाईओवर बनाया, एनएचएआई ने भुगतान किया, अफसरों ने फाइल पर हरी स्याही चलाई और नेताजी ने रिबन काट दिया।

बस एक चीज़ नहीं हुई गुणवत्ता पर ईमानदारी

सांसद ने लगाए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

सपा सांसद अवधेश प्रसाद का कहना है कि यह खुल्लम-खुला भ्रष्टाचार है। 150 करोड़ का काम 6 महीने भी न टिके, तो ये फ्लाईओवर नहीं, घोटाले का स्मारक है। सदन में उठाऊंगा।रेलिंग में दरारें और धंसी सड़क किसी भी दिन एक बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकती हैं। लेकिन सिस्टम? सिस्टम तो 'रूट डायवर्ट' करके चैन से सो रहा है।पहले ठेका, फिर पैसा, फिर काम, फिर फोटो, फिर उद्घाटन, और फिर जनता के लिए हादसे का इंतज़ार।अगली बार जब कोई नेता कहे अयोध्या बदल रही है, तो उनसे पूछना मत भूलिए किधर बदल रही है? ऊपर की तरफ या नीचे धंसने की तरफ?

रामनगरी में मंडराता 'अनजान चेहरों' का खतरा

» स्विगी, जोमैटो और ब्लैंकिट के जैसी संस्थाओं में सैकड़ों डिलीवरी बॉय बिना पुलिस वेरिफिकेशन के मचा रहे धमा चौकड़ी

» अयोध्या की सुरक्षा पर बड़ा सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी की गलियों में मोटरसाइकिलों की गड़गड़ाहट, कंधे पर बैग और आंखों में जल्दी से डिलीवरी करने की बेचैनी ये नज़ारा अब रोज़ का है। लेकिन इस रूटीन के पीछे छुपा है सुरक्षा का सबसे बड़ा ब्लाइंड स्पॉट सैकड़ों डिलीवरी बॉय का कभी भी पुलिस वेरिफिकेशन न होना।

सूत्रों का दावा इनमें कौन है, कोई नहीं जानता स्वराज इंडिया को मिले इनपुट के मुताबिक, अयोध्या में सिर्फ स्विगी, जोमैटो और ब्लैंकिट के ही करीब 300 से ज्यादा डिलीवरी बॉय काम कर रहे हैं। लेकिन इनमें से एक का भी स्थानीय थाने में रिकॉर्ड नहीं है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने ऑफ-द-रिकॉर्ड कहा इनके आईडी कार्ड पर जो नाम और पता लिखा है, उसकी जांच तक नहीं हुई। कई तो फर्जी आधार और मोबाइल नंबर से काम कर रहे हैं। यह किसी भी समय बड़ा खतरा बन सकता है।

सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि बिना वेरिफिकेशन के डिलीवरी का काम अपराधियों को एक ओपन पास देता है शहर के हर गली-मोहल्ले में आने-जाने की आज़ादी

लोगों के घर, रूट और टाइमिंग की जानकारी,बिना शक के किसी भी लोकेशन पर घंटों रुकने का मौका इन्हीं खामियों का फायदा उठाकर देश के कई शहरों में चोरी, मर्डर और रेकी जैसी वारदातें हो चुकी हैं। राममंदिर उद्घाटन के बाद अयोध्या में भीड़ कई गुना बढ़ी है। देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं, वीआईपी विज़िट्स होती हैं, और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार दबाव है। लेकिन इस भीड़ में 'नो वेरिफिकेशन' डिलीवरी बॉय का घुलना-मिलना प्रशासन की सबसे बड़ी लापरवाही मानी जा रही है।

कंपनियां क्यों हैं चुप?

स्वराज इंडिया ने संबंधित कंपनियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। सूत्र बताते हैं कि वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस की बजाय कंपनियां अपने स्तर पर पूरी नहीं कर रहीं ताकि डिलीवरी स्टाफ की कमी न हो।

» सवाल जिनके जबाब अनुत्तरित है

-अगर कल कोई वारदात होती है, तो इनकी पहचान कैसे होगी?

-किसके कहने पर इनका वेरिफिकेशन टाला जा रहा है?

-क्या कंपनियां सुरक्षा से ज्यादा मुनाफे को प्राथमिकता दे रही हैं?

अयोध्या की शांति और सुरक्षा भगवान भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। अगर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई नहीं की तो कल की ब्रेकिंग न्यूज शायद किसी वारदात की होगी और तब सवाल उठेगा कि चेतावनी समय रहते क्यों नहीं सुनी गई?

सीएम डैशबोर्ड में अयोध्या का 73वां नंबर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भगवान राम की नगरी और योगी सरकार की प्राथमिकताओं में गिने जाने का दावा करने वाली अयोध्या, सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में शर्मनाक 73वें स्थान पर लुढ़क गई है। यह वही डैशबोर्ड है जिसमें सरकारी दफ्तरों के कामकाज, योजनाओं की प्रगति और जनता को मिलने वाली सेवाओं की रफ्तार को परखा जाता है।जब रामपुर, कौशांबी, शाहजहांपुर, नौएडा, जालौन, संभल, बाराबंकी, फिरोजाबाद, अमेठी और बस्ती जैसे जिले टॉप 10 में जगह बना रहे हैं, तब अयोध्या का 73वें पायदान पर फिसलना कई सवाल खड़े करता है। करोड़ों की योजनाओं, वीआईपी विज़िट्स और ऊंचे-ऊंचे दावों के बावजूद अगर रैंकिंग ऐसी है तो अफसरशाही की फाइलों और हकीकत के बीच का फासला साफ झलकता है।

रामनगरी का यह नतीजा बताता है कि सिर्फ शिलान्यास और फोटो सेशन्स से काम नहीं चलेगा, असली काम ज़मीन पर होना चाहिए वरना रैंकिंग में 'राम' नाम के सहारे भी शीर्ष पर पहुंचना मुश्किल है।

‘स्वास्थ्य और शिक्षा आम लोगों की पहुंच से बाहर’

मोहन भागवत का बड़ा बयान, बोले–ये बिजनेस बन गया है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

इंदौर। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुजी सेवा न्यास के कैंसर केयर रिसर्च सेंटर का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा के व्यवसायीकरण पर चिंता जताई और कहा कि ये अब आम लोगों की पहुंच से दूर हो गई हैं। डॉ. भागवत ने पश्चिमी देशों के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति सभी को जीवन प्रदान करती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने पश्चिमी देशों के दृष्टिकोण की आलोचना करते कहा कि वहां केवल सशक्त लोग ही जीवित रह सकते हैं, जबकि भारतीय संस्कृति का मानना है कि सशक्त लोग सभी को जीवन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज का सुख व्यक्ति के सुख से जुड़ा है।

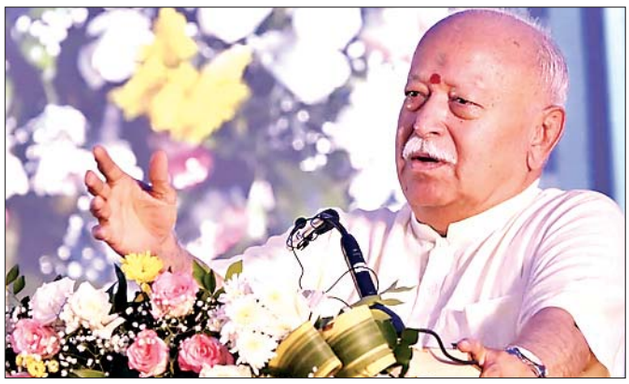

उन्होंने विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों का उल्लेख करते कहा कि नेचुरोपैथी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियां मरीजों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार उपचार करती हैं। कोई एक पद्धति सर्वश्रेष्ठ नहीं हो सकती, बल्कि मनुष्य की विविधता के अनुसार उपचार होना चाहिए। इससे पहले, डॉ. भागवत ने मालवा प्रांत की सद्भाव बैठक में भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य को केवल उपभोग की वस्तु मानने वाले विचारों ने यूरोप को ध्वस्त कर दिया है और अब ये विचार भारत की पारिवारिक व्यवस्था को भी कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 2021 में आयोजित डिस्मेंटलिंग हिंदुत्व सेमिनार का उल्लेख करते कहा कि यह विचारधारा समाज को तोड़ने का कार्य कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के बाजार पर कब्जा करना है।

> “स्वास्थ्य और शिक्षा समाज की मूलभूत आवश्यकताएं हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश ये अब सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर हो गई हैं। पहले शिक्षा को एक कर्तव्य माना जाता था, लेकिन अब यह एक व्यवसाय बन गई है।
>
> **डॉ. मोहन भागवत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक**

किश्तवाड़ की गुफा में छिपे आतंकी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जम्मू। किश्तवाड़ जिले के डूल इलाके में आतंकियों के खिलाफ सेना का अभियान दूसरे दिन में प्रवेश कर गया है। इलाके में एक गुफा में छिपे आतंकियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है और मुठभेड़ जारी है। लगातार गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जिससे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

यह संयुक्त ऑपरेशन भारतीय सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स, 2 पैरा स्पेशल फोर्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) द्वारा चलाया जा रहा है। अब तक की जानकारी के अनुसार, दो स्थानीय आतंकवादी घिरे हुए हैं, जो पिछले आठ वर्षों से इस इलाके में सक्रिय थे।

झटका आनंद शर्मा उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाई थी

वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने दिया इस्तीफा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेश मामलों के विभाग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। वे कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य बने रहेंगे। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया ताकि विभाग का पुनर्गठन आसानी से हो सके और युवा नेताओं को मौका मिल सके। आनंद शर्मा उन जी-23 नेताओं में शामिल थे जिन्होंने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाई थी। उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब पार्टी पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है।

आनंद शर्मा ने लगभग दस साल तक डीएफसी का नेतृत्व किया। उन्होंने कांग्रेस के विदेश संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के रूप में भी काम किया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे अपने इस्तीफे में कहा कि वे चाहते हैं कि समिति का पुनर्गठन हो ताकि युवा नेताओं को शामिल किया जा सके, इससे विभाग का काम सुचारू रूप से चलता रहेगा। आनंद शर्मा ने कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के आभारी हैं जिन्होंने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी।

उन्होंने कहा कि वे डीएफस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहे हैं ताकि इसका पुनर्गठन हो सके। आनंद शर्मा कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य हैं। वे अंतरराष्ट्रीय मामलों में पार्टी के प्रमुख चेहरे रहे हैं। इस्तीफा देने के बाद भी वे कांग्रेस के सदस्य बने रहेंगे। शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ दशकों में डीएफसी ने दुनिया भर में समान विचारधारा वाले दलों के साथ संबंध बनाए और उन्हें मजबूत किया है। ये दल लोकतंत्र, समानता और मानवाधिकारों के मूल्यों को साझा करते हैं।

गाजा के लोग भी हमास से मुक्ति की भीख मांग रहे...

नेतन्याहू ने युद्ध खत्म करने की रखीं 5 शर्तें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अगर हमास सभी बंधकों को रिहा कर दे और अपने हथियार डाल दे तो युद्ध समाप्त हो सकता है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (एनएससी) की आपात बैठक से पहले मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि गाजा में इजरायल का उद्देश्य हमास के शासन से मुक्ति है, न कि कब्जा। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा के लोग हमसे और दुनिया से हमास से मुक्ति की भीख मांग रहे हैं। उन्होंने हमास को इजरायल के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध एक नरसंहारकारी संगठन बताया। नेतन्याहू ने कहा कि कोई भी देश अपनी सीमा से कुछ ही दूरी पर अपने विनाश के लिए प्रतिबद्ध किसी संगठन को बर्दाश्त नहीं करेगा।

नेतन्याहू ने कहा कि अगर हमास सभी बंधकों को रिहा कर दे और अपने हथियार डाल दे तो युद्ध समाप्त हो सकता है। उन्होंने हमास पर गाजा में अभी भी हजारों सशस्त्र आतंकवादी मौजूद होने का आरोप लगाया और कहा कि इजरायल की सैन्य योजनाए इस खतरे को खत्म करने के उद्देश्य से हैं।

युद्ध खत्म करने के लिए रखीं पांच शर्तें : 1. हमास का निरस्त्रीकरण 2. सभी बंधकों की वापसी 3. गाजा पट्टी से सेना का हटना 4. इजरायल द्वारा गाजा में अतिरिक्त सुरक्षा नियंत्रण लेना 5. एक वैकल्पिक नागरिक प्रशासन की स्थापना जो हमास या फिलिस्तीनी ऑथोरिटी की न हो।